ह्यूस्टन□ दुनिया में लाखों-करो□ों मोबाइल फोन जासूसी का आसानी से निशाना बन सकते हैं क्योंकि 1970 के दशक की तकनीक के जरि□ इनका इस्तेमाल होता है□ □ कन□ शोध में यह दावा किया गया है□

अमेरिका में होने जा रहे 'ब्लैकहैट' सुरक्षा सम्मेलन में इस शोध को प्रस्तुत किया जा□गा□ इसमें कहा गया गया है कि पुरानी क्रिप्टोग्राफी तकनीक के इस्तेमाल के कारण ब□ी संख्या में मोबाइल फोन की सुरक्षा को खतरा है□

क्रिप्टोग्राफी के जरि□ मोबाइल नेटवर्क पर बातचीत संभव होती है□

'सेक्योरिटी रिसर्च लैब्स' के साथ जु□े विशेषज्ञ क्रिस्टोग्राफर करसटन नोल ने पाया कि किसी तरह से मोबाइल फोन के स्थान, □ स□ म□ स तक पहुंच तथा व्यक्ति के वायसमेल नंबर में बदलाव संभव है□

नोल 'रूटिंग सिम कार्ड' नाम से □ क प्रस्तुति 31 जुलाई को लास वेगास में आयोजित ब्लैकहैट सुरक्षा सम्मेलन में देंगे□

दुनिया भर में इस वक्त सात अरब से अधिक सिम कार्ड का इस्तेमाल किया जा रहा है□ बातचीत के समय सिम कार्ड □ नक्रिप्सन का इस्तेमाल करते हैं□

नोल के शोध में पाया गया है कि सिम □ नक्रिप्सन मानक 1970 के दशक है जिन्हें डाटा □ नक्रिप्सन स्टैंडर्ड :डीई□ स: कहा जाता है□ शोध का संक्षिप्त रूप उनकी कंपनी के ब्लॉग पर प्रकाशित किया गया है□

डीई□ स को □ नक्रिप्सन का सबसे कमजोर रूप माना जाता रहा है और कई मोबाइल आपरेटर अब उन्नत □ नक्रिप्सन का इस्तेमाल कर रहे हैं□

डीईसी के इस्तेमाल होने वाले मोबाइल फोन पर भेद लगाना आसाना है□ ब्लैकहैट सुरक्षा सम्मेलन 2013 का मकसद भविष्य में आईटी क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर गहन मंथन करना है□ इसमें दुनिया भर के जानकार लोग शामिल होंगे□

भाषा